प्रकाशनार्थ

16 जुलाई, 2020, गोरखपुर। लोक कल्यांणकारी रचनात्मक कार्यों के लिए सदा समर्पित शिवावतारी महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ जी की पवित्र भूमि श्री गोरक्षनाथ मन्दिर परिसर में 17 जुलाई 2005 में तत्कालिक केंद्रिय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्यांण मंत्री, भारत सरकार, डा0 सी0 पी ठाकुर द्वारा उच्चिकृत ब्लड बैंक की स्थापना हुईं। इसी परिपेक्ष्य में आज ब्लड बैंक में 15 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर तथा रक्तदाता सम्मान का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

उक्त जानकारी गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के रक्तकोष प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल जी ने दी। उन्होने बताया कि आरंभ से ही यह ब्लड बैंक निरंतर प्रगति की ओर बढता रहा, इसी क्रम में ब्लड बैंक कम्पोनेन्ट, कम्प्यूटरीकृत (बायोमेट्रिक) पूर्णतया स्वचलित इलाइजा उपकरण ग्रुपिंग एवं क्रास मैचिंग जेल तकनिकी द्वारा प्लेटलेट ऐफेरेसिस, आटोमेटिक सेल सेपारेटर, कम्पोडाॅक इत्यादि सुविधाओं के साथ ब्लड बैंक पूरे पूर्वांचल के साथ निकटवर्ती राज्य बिहार, मे रक्त की आपूर्ति करते हुए नित्य अपनी सेवाओं को उच्च गुण्वत्तायुक्त एवं जनउपयोगी साबित हो रही है।

डा0 अग्रवाल जी ने आगे बताया की ब्लड बैंक द्वारा लगभग चार लाख यूनिट रक्त एवं रक्त अवयवों की आपूर्ति कर प्रदेश में यह एक किर्तिमान स्थापित कर चुका है। समय - समय पर वैज्ञानिक गोष्ठियों का आयोजन कर रक्तकोष के उन्नयन एवं उत्तम सेवाओं हेतु सदैव समर्पित रहता है, और सूदुर प्रदेशों में होने वाले वैज्ञानिक संगोष्ठियों में भी सहभागिता करते हुए उनका अनुसरण करता है एवं रक्तकोष हेतु आवश्यक एवं आधुनिकता के धरातल पर प्रस्तुत करने हेतु सदैव अग्रसर रहा है। ब्लड बैंक में स्वःरक्तदाताओं एवं समाजसेवी संगठनों की अहम भूमिका होती है, इन्ही के दिए के हुए रक्त द्वारा ब्लड बैंक थैलिसिमिया, प्लास्टिक एनिमिया, कैंसर, गुर्दा रोगी या किसी गंभीर मरीजों के प्राणों की रक्षा होती है।

गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्तकोष आभारी है भारतीय जनता पार्टी, गुरु द्वारा श्री जटाशंकर, इन्हरव्हील क्लब, रोटरी क्लब, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं का जो समय - समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन करते रहते हैं।

कोविड - 19 महामारी को देखते हुए सुरक्षा एवं बचाव हेतु आवश्यक निर्देशों के अनुसार , रक्तदाताओं तथा उनके परिजनों को अनुपालन भी कराया गया।

रक्तदान
जीवनदान